राजस्थान इन्वेस्टर्स कॉन्क्लेव | नेशनल स्टार्टअप डे पर यंग आंत्रप्रेन्योर ने पेश किए आइडिया

'फ्रेशवुफ' ने बनाया ग्लूटन फ्री डॉग फूड; 'ठेला गाड़ी' बेच रही सूती जुराबें व रुमाल

सिटी रिपोर्टर | जयपुर

प्रदेशभर ये चयनित स्टूडेंट्स की 26 टीमों ने स्टार्टअप पिच किए

इंवेस्टर्स भी आपके प्रोजेक्ट में फंड लगाने से पहले देखते हैं कि आइडिया कितना मजबूत है। इसलिए आंत्रप्रेन्योर जब इन्वेस्टर्स से मिलें तो शुरुआती 15 सेकंड्स में स्टार्टअप से मिले प्रोफिट साझा करें। ये बातें सोमवार को एम स्ट्रेटजी ग्लोबल के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन मंदार जोशी ने स्टार्टअप चौपाल के फाउंडर सुमित श्रीवास्तव से बातचीत में कही। पार्टिसिपेंट्स को कहा, फाउंडर को ध्यान रखना चाहिए कि इन्वेस्टर आपकी इंडस्ट्री का हो। यदि ऐसा नहीं हो तो उसे इंडस्ट्री की अच्छी समझ जरूर होनी चाहिए। मौका था, नेशनल स्टार्टअप डे पर झालाना स्थित भामाशाह टेक्नो हब में आई-स्टार्ट व स्टार्टअप चौपाल की ओर से आयोजित 2 दिवसीय 'राजस्थान इंवेस्टर्स कॉनक्लेव' का। मंगलवार को आईस्टार्ट द्वारा चयनित 25 स्टार्टअप्स की पिचिंग की जाएगी।

वहीं दूसरे सेशन में राजस्थान सरकार के आईटी-कम्यूनिकेशन विभाग एवं टाई राजस्थान की ओर से चयनित स्टूडेंट्स ने स्टार्टअप पिच किए। आयोजन के लिए 16 स्कूलों से 410 प्रविष्टियों में से 26 टीमों को स्टार्टअप प्रोजेक्ट करने का अवसर मिला। जजेस ने ऑरिंथ, ताप्मी और स्कूल बैंकिंग एसोसिएशन स्टार्टअप आइडिया को टॉप थ्री मे स्थान दिया। अतिरिक्त विभिन्न टीमों ने 'एरोमेटो', 'एक्सपेक्टिंग सून', 'फ्लोरोटिस' जैसी कई बेहतर स्टार्टअप आईडियाज को जजेस ने सराहा। जजेस के रूप में अजय डाटा, मनुज गोयल और अमित पुरोहित मौजूद थे। महावीर शर्मा ने विनर्स को पुरस्कार दिया। डीओआईटी कमिश्नर आशीष गुप्ता ने स्टार्टअप की सराहना की। प्रोग्राम चेयरपर्सन डॉ. शीनू झँवर ने कार्यक्रम का कोऑर्डिनेशन किया।

बिना कैमिकल व प्रिजर्वेटिव वाला डॉग फूड

जयपुर बेस्ड फ्रेशवुफ स्टार्टअप के को-फाउंडर तेजविंदर सिंह कहते हैं, दुनिया में डॉग फूड मार्केट 57 बिलियन का है, जबकि भारत में 0.1% भी नहीं है। हमारे डॉग रूबी को मीट से एलर्जी हुई, डॉक्टर ने कहा इसे वीगन मील दो। जुलाई 2021 में घर पर डॉग के लिए बिना कैमिकल व प्रिजर्वेटिव वाला डॉग फूड घर में बनाना शुरू किया। 28 बार अलग और नया बनाते हुए शाकाहारी व ग्लूटन फ्री 'चिकपीज़ व ओट्स' डॉग फूड बनाया। महीने में 9 हजार पाउच बेच रहे हैं।

तीन साल में 3 लाख से ज्यादा जुराब बेची

अनोखे नाम 'ठेला गाड़ी' के साथ जयपुर के कपिल गर्ग ने 2019 में स्टार्टअप की शुरुआत की। वे कहते हैं, बड़ी संख्या में चाइना व थाइलैंड से फैशनेबल, स्टाइलिश जुराबें व रुमाल आ रहे हैं। वे 18 से 35 एज ग्रुप के लिए जुराबों में टॉप एंड जैरी, स्कूबी डू, शिनचैन, पावर पफ गर्ल्स, डेक्सटर लेबोरेट्रीज की कई वैरायटी लाए हैं। प्रॉडक्ट्स को सूती धागों से तैयार कर रहे हैं। बीते 3 सालों में 3 लाख से ज्यादा जुराबों के जोड़े बेच चुके हैं।